21. पत्र लेखन

पत्र संदेश को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने का माध्यम होते हैं। आज संदेश भेजने के इतने नए तरीके उपलब्ध हैं फिर भी पत्र लिखना एक रोचक विधा के रूप में विद्यमान है। पत्र लेखन एक कला है जिस पर अभ्यास और सटीक भाषा से कुशलता पाई जा सकती है।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को पत्र लिखते समय ध्यान रखने योग्य विशेष बातें बताएँ।
- पूछें, क्या आपने कभी कोई पत्र लिखा है आदि।
- बताएँ, औपचारिक पत्र यानी विद्यालय या कार्यालय को लिखे जाने वाले पत्र तथा अनौपचारिक पत्र यानी अपने मित्रों, परिवारजनों को लिखे जाने वाले पत्र।
- पत्र के दोनों प्रारूप पर चर्चा करते हुए इसके बारे में समझाएँ।
- दोनों प्रकार के पत्र छात्रों से ही पढ़वाएँ।
- प्राचीन काल में संदेश भेजने के साधनों तथा आज के युग में संदेश के माध्यमों की तुलना करते हुए पत्रों की उपयोगिता पर बातचीत करें।
- ई-मेल के प्रारूप तथा इससे जुड़ी सावधानियों से छात्रों को अवगत कराएँ।
- अभ्यास करवाने में आवश्यक सहायता करें।

छात्र पत्र लिखने का अभ्यास स्वयं करेंगे।